अन्यजाति के प्रबंध का आदि और अंत

शुभ संध्या, मित्रों। मैं आज रात्रि फिर यहां आकर आभारी हूं। थोड़ी देर पहले, छोड़ कर गया था। मैं सोचता हूं, लगभग चार बजे बाहर गया था। और तब मुझे... हम नीचे अपने कुछ मित्रों से मिलने गए थे। और सात बजकर, पांच मिनट में वापस आए, वापस आना था। इसलिए मुझे अभी भी अपना मूल पाठ खोजना है, भाई नेविल।

2 परंतु, अब, एक विशेष निवेदन है अभी–अभी किसी ने शिकागो से किया है, टेनेसी, एक प्रिय जो एक सप्ताह पहले पानी का जहाज टूट गया था, उसमें था और अब भी बेहोश पड़ा है। और यहां प्रार्थना के लिए निवेदन कलीसिया की ओर से है। और...

3 [भाई नेविल कहते है, "भाई बिल? "—सम्पा।] हां, भाई? ["क्या मैं उद्घोषणा कर सकता हूं? "] निश्चय ही आप करिए। भाई नेविल, आइए। ["भाई बिल, मुझे क्षमा करें।"] हां, श्रीमान। ["मैं लगभग भूल ही गया। मैं आज रात्रि उद्घोषणा के लिए वचन दिया था।" खाली टेप।]

4 हम—हम मलकीसदेक के लिए बोल रहे थे, कि वह कौन था, और जैसे कि हम उसे ले ही नहीं सके। परंतु संभव है, जब अगली बार आ रही है तो, हम वहीं से लेंगे, अब भी इब्रानियों की पुस्तक में है।

5 परंतु, आज रात्रि, हम डेनियल की पुस्तक निकालेंगे। आप अपनी बाईबल में, डेनियल का 12वां अध्याय निकालें। और हम वहां से थोड़ा पढ़ने जा रहे है, और बात करेंगे, परमेश्वर के कुछ वचनों पर डेनियल की पुस्तक में से।

6 अब, डेनियल एक भविष्यवक्ता था... जो कि येरूशलेम से बाबुल ले जाया गया, बाबुल को ले जाने के समय, राजा नबूकदनेस्सर के द्वारा। जब वह बाबुल गया था वह युवा था। उसमें बहुत थोड़े से थे जो अब भी अपना पुराना विश्वास थामे हुए थे।

7 मैं डेनियल को पसंद करता हूं क्योंकि उसका... उसके हृदय में एक उद्देश्य था, जब वह बाबुल हो गया कि वह एक विश्वास ही बना रहेगा, और वह स्वयं को राजा के भोजन से दूषित नहीं करेगा और आदि–आदि। अब, वही चीज...

8 और अब डेनियल में विशेष बात थी वह अन्यजातियों के लिए भविष्यवक्ता था। डेनियल ने अन्यजाति के युग को उठते और गिरते देखा। यह वह पहला था जिसे, हम अन्य जातियों का भविष्यवक्ता कहते है। वह स्वयं अन्यजाति नहीं था। परंतु उसने अन्यजाति के विधान को देखा आरंभ से अंत तक; सोने के सिर में, और मिट्टी लोहे के पैरों में अंत।

9 और जबकि उसके ह्रदय में यह उद्देश्य था कि वह स्वयं को राजा के भोजन से दूषित नही करेगा, और राजा के मामलों से।

10 और भाइयों का दूसरा झुंड जिनका नाम शद्रक, मेशक और अबेदनगो था, वे वहां साथ थे; जो कि भविष्यवक्ता नहीं, विश्वासी थे। और उनके, ह्रदय में भी यही उपदेश था। और जब वे चारों विश्वासी आपस में मिले, मैं अक्सर इसकी कल्पना करता हूं, तो उनकी एक साथ प्रार्थना सभा होती होगी।

11 जैसे की हम करते है, हम एक साथ एकत्र होते हैं क्योंकि हमारी बातें एक सी है। आप जानते है, कि एक पुरानी कहावत है, "एक से पंखो की चिड़ियाये एक संग रहती है," बल्की यह तो पुरानी कहावत है, और यह अच्छी बात भी है। एक से पंखो की चिड़ियाये एक संग। क्या आप इस बात से आनंदित नहीं? निश्चय ही। एक से पंखो की चिड़ियाये एक संग।

12 अधिक समय नहीं हुआ, मैं एक सभा में बैठा हुआ था जहां एक व्यक्ति किसी बात पर विचार विमर्श कर रहा था। और उसने कहा, "अच्छा... " वह जो प्राण कैद में चले गए उनके विषय में बात कर रहा था, जो कैद में थे, जिन्हें यीशु ने मृत्यु के पश्चात जाकर, प्रचार किया। और यह व्यक्ति जो बोल रहा था, बोला, "अच्छा, आप इस विषय में क्या सोचते हैं? "

13 एक अश्वेत भाई उठा। उसने कहा, "भाई, बाईबल में यही है जो कहा वह गया। 'और इन प्राणों को प्रचार किया जो कैद में थे।' "

कहा, "आप क्या सोचते हैं कि क्या था? "

14 कहा, "यह वे 'प्राण थे जिन्होंने प्राश्चित नहीं किया, नूह के दिनों में, जब उसने धीरज धरा जब नाव बनाई जा रही थी,' जैसा कि बाईबल ने कहा।"

15 उसने कहा, "नहीं।" कहा, "यही यह कलीसिया, उन पेंटीकोस्टल लोगों को प्रचार कर रही है यही इन नामधारी कलीसियाओं में और सब कुछ, उन्हें कैद से बाहर निकाल रहा है।"

16 उसने कहा, "अब भाई यहां देखिए," उसने कहा, "यहां तो पेंटीकोस्टल का उल्लेख तक नहीं है।" उसने, यह कहा, "उसने बस इतना कहा है कि, 'वह गया और उसने जो कैद में पड़े थे उन प्राणों को प्रचार किया।'"

इसलिए मैंने कहा, "आमीन। यह ठीक बात है।"

17 और सेवादार ने मेरी ओर देखा, और कहा, "एक से पंखों की चिड़ियाये एक साथ।"

18 मैंने कहा, "यह ठीक बात है, इस प्रकार का भाई बहुमूल्य विश्वास का वही विश्वास कर रहा है जो वचन कह रहा है वही सत्य है।"

डेनियल के वे तीन साथी जो उसके साथ थे।

19 आप जानते है, यह अच्छा है, अब जब आप घर से बाहर होते है, किसी ऐसे को पाए जो आपके साथ हो, कोई जो आपके साथ खड़ा हो, एक वास्तविक अच्छा मित्र। ओह, प्रभु! बाहर के देशों में, जब आप किसी को पाते हैं जो आपका प्रिय मित्र होना चाहता है, आपसे प्रेम करता है आपके पक्ष में खड़ा होता है, इसका बहुत ही मूल्य है; विशेषकर अपरिचित।

और यह भाई अपने नगर से ले जाए गए।

20 और उसका नगर जला दिया गया। और उनके बर्तन, और परमेश्वर की पवित्र वस्तुये, बाबुल को ले जायी गयी, और राजा नबूकदनेस्सर ने कोषागर में रखी गई, जो उनको ले गया था, एक महान शानदार अन्य जाति का राजा। अब, यदि—यदि परमेश्वर इस बात की अनुमति देता है कि उनका नगर जलाया जाए, उनके आराधनालय जलाए जाएं और उन्हें नगर को ले जाए, यह इसलिए था क्योंकि वे परमेश्वर से अलग हो गए थे।

21 परंतु उसके पास अब भी एक विश्वासी था जिस पर वह हाथ रख कर कह सकता था कि, "यह मेरा दास है।"

22 परमेश्वर के पास सदा कहीं ना कहीं एक गवाह होता है। वह कभी भी स्वयं को बिना गवाह के नहीं रखता। अब इससे कोई मतलब नहीं, कभी उसके पास एक होता है, परंतु उसके पास सदा कोई ना कोई होता है जिस पर वह अपना हाथ रख सकता है, और कहे, "यह मेरा सेवक है, और यह वैसा ही करेगा जैसा मैं उसे कहूंगा।" अब, हमें यह अच्छा लगता है।

23 यह देखते हुए कि जब भाई लोग वहां पर थे, उन्हें जांचा गया।

24 बहुत ही सुंदर उदाहरण है कि क्या ही एक सच्चा विश्वासी जब वह वास्तव में प्रभु यीशु को अपना एक बचाने वाला स्वीकार करता है, आता है। उसकी सदा जांच की जाती है। शैतान अब भी जांचने के कार्य में लगा हुआ है। और यह आपकी सहायता के लिए है। यह आपकी भलाई के लिए है।

25 "हर पुत्र जो परमेश्वर के पास आता है उसे परखा जाना ताड़ना दिया जाना कोड़े लगाना होना ही है," दूसरे शब्दों में, "उसे सीधा रखने के लिए, पटकना। और यदि परमेश्वर हमारी थोड़ी ताड़ना करता है, और हम उसमें स्थिर नही रह सकते, तो हम व्यभिचार की संतान है, और परमेश्वर की संतान नहीं है।"

26 अब एक व्यक्ति जो वास्तव में अपना मूख स्वर्ग की ओर रखता है, इससे कोई मतलब नहीं कि यहां पृथ्वी पर क्या हो रहा है, वह फिर भी अपना मुख स्वर्ग कि ओर उठाएं रखता है। उसके मित्र उसे छोड़ सकते हैं। उसका परिवार उसे छोड़ सकता है उसका पास्टर उसे छोड़ सकता है। परंतु एक है जो उसे नहीं छोड़ सकता; वह परमेश्वर है। और जब आपने निश्चय कर लिया! मुझे यह अच्छा लगता है।

27 डेनियल ने अपना सब कुछ पीछे छोड़ दिया। अब वह वापस जाने की योजना नहीं बना रहा है। वह अपने पीछे की पगडंडी को नहीं देख रहा है। वह बीती हुई बातों को छोड़ रहा है और आगे देख रहा है। वह अपने स्वर्गीय बुलाहट की ओर बढ़ रहा है। हमें भी यही करते रहना चाहिए। यही कलीसिया को करते रहना चाहिए।

28 और जैसा कि मैंने तब ध्यान दिया, परमेश्वर ने शैतान की अनुमति दी कि उसे परखे। और ओह, उन्होंने उन्हें आग से परखा। उन्होंने उन्हें परखा सिंहों की मांद के द्वारा भी। हर घटना से परमेश्वर उन्हें बाहर निकाल ले आया, परमेश्वर उन्हें जयवन्त से भी बढ़ कर ले आया।

29 "धर्मी बहुत सी बातों में परख जाता है, परंतु परमेश्वर उन सब में से उन्हें छुड़ाता है।" यह कितना शानदार है! हम इसकी कितनी सराहना करते है। परीक्षाये, पीड़ाये, जांचा जाना, सब भलाई के लिए कार्य करते है! कुछ समय बाद, परमेश्वर देख सकता है तब वह अपना भरोसा आप पर रखता है, और तब वह आपके लिए महान चीज़ें करता है।

30 अब हम पाते हैं कि, तब डेनियल परमेश्वर के हाथ में एक साधन याने उपकरण बन गया, जब कि वह अपने लोगो से अलग था अपने नगर से बाहर, अपनी कलीसिया से दूर एक अनजान राष्ट्र में परमेश्वर ने उसको प्रयोग किया।

31 अब, आप जिस से भी चाहे दूर हो। आप अपने प्रिय जनों से दूर हो या आप अपनी कलीसिया से दूर हो, परन्तु आप फिर भी परमेश्वर के हाथों में एक साधन है। परमेश्वर आपको गवाही के लिए प्रयोग कर सकता है या किसी भी चीज के लिए प्रयोग कर सकता है जिसके लिए वह आपको चाहता है।

32 सुंदर उदाहरण! बाईबल इन सब बातो से भरी हुई है, जहां भी आप पलटे। क्या आप वचन को पढ़ना पसंद नहीं करते? ओह, मैं केवल पढ़ता हूं, कभी–कभी, और रोता हूं।

33 यहां कुछ दिनों पहले मैं किनारे मैं बैठा हुआ पढ़ रहा था, और मैं बैठ कर बालक के समान रोने लगा। मैं उठा और अपनी कुर्सी के चक्कर लगाने लगा, अपनी बाईबल को फिर से देखा; मैं फूट पड़ा। फिर कुर्सी के चारों ओर घूमा, फिर से बाईबल को देखा। मैंने सोचा, "ओह परमेश्वर, इसमें हर पुरुष या स्त्री के लिए अनंत जीवन है जो भी इसमें विश्वास करने का साहस करेगा, और इस पर विश्वास करेगा।" अनन्त जीवन है!

34 और उसने कहा, "पवित्र वचन में ढूंढो, क्योंकि तुम सोचते हो कि तुम्हें उसमें अनंत जीवन मिलता है, और वे वह है जो मेरी गवाही देते हैं।" पवित्र वचन में ढूंढो।

35 "परमेश्वर का वचन हमारे पांव के लिए दीपक है," ताकि हमारी—ताकि हमारी अगुवाई की जाये। यह वह ज्योति है जो मार्ग पर हमारा मार्गदर्शन करती है और एक जय से दूसरी जय पर ले जाती है।

36 अब, इसके पहले आप जय पा सके, वहां युद्ध होना है। और यदि कोई युद्ध नहीं है तो कोई जीत नही है। इसलिए हमें युद्धों और परीक्षाओं के लिए धन्यवादित होना चाहिए, और यह परमेश्वर हमें जय पाते रहने का सौभाग्य देता है। ओह, प्रभु! क्या यह आपको पहले से थोड़ा अच्छा नहीं बनाता? समझे? युद्ध होता है; कोई आपके लिए कुछ बुरा कहता है; आपके पास बीमारी आती है। संभव है परमेश्वर आपको हल्की पीढ़ाये देता है, ताकि

वह आपको चंगा करें और अपना समर्थन आपको दर्शाए, आपको दिखाएं कि इससे उसका क्या अर्थ है, वह आपसे प्रेम करता है।

37 पुरानी चरवाहे वाली कहानी जो कि यरूशलेम में सुनाई गयी, गडरियो के पवित्र देश में, एक चरवाहा एक—एक भेड़ उठाए हुए हैं। और उसने कहा, "तुमने क्यों इसे उठा रखा है? "

कहा, "इसकी एक टांग टूट गयी है।"

कहा, "यह कैसे हो गया; खड़ी चट्टान से गिर पड़ा? "

कहा, "नही। मैंने इसकी टांग तोड़ी है।"

38 उसने कहा, "क्यों, तुम बड़े निर्दयी चरवाहे हो, कि इस भेड़ की टांग तोड़ दी।"

39 कहा, "नहीं। मैं इससे प्रेम करता हूं।" और कहा, "यह इधर उधर भाग रही थी, और मैं इसे ध्यान में नहीं रख पा रहा था। इसलिए मैंने पैर तोड़ दिया ताकि मैं इस पर अधिक ध्यान दे सकूं, ताकि यह मुझ से प्रेम करें और मेरे पीछे–पीछे चले।"

40 परमेश्वर कभी–कभी हमें थोडी सी तोड़ना देता है, स्वास्थ में कि हम पर थोड़ा अधिक ध्यान दें, कि उसकी गोद में रहे, उसकी गोद में अधिक प्रेम पाए। जब डॉक्टर ने कहा कि कुछ नहीं किया जा सकता है; तब वह हमें अपनी गोद में लेकर कहता है, "देखो, मैं तुम से प्रेम करता हूं। मैं तुम्हें चंगा करने जा रहा हूं।" समझे? ओह, क्या इससे जीवन अधिक अच्छा नहीं हो जाता? ओह, वह बहुत महान है! वह बड़ा अच्छा चरवाह है। क्या वह नहीं है?

41 कोई आश्चर्य नहीं कि दाऊद ने कहा, "यहोवा मेरा चरवाहा है। मुझे कुछ घटी नहीं होगी।" और वह किस प्रकार से जल के सोते के पास ले चलता है; और हमारे प्राण को वापस फेर लेता है; और हमारा कटोरा छलक रहा है; और— हमें हमारे शत्रु के सामने हमारा अभिषेक करता है! क्या आपका कभी आपके शत्रु की उपस्थिति में अभिषेक हुआ है? गवाही देने के लिए जब तक आपका कटोरा में उफान ना आ जाये, आप जानते है। कितनी ही शानदार बात है कि जब आपका शत्रु उपस्थित हो तो आपका अभिषेक हो जाए!

42 अब ध्यान दें, जब, परमेश्वर ने नबूकदनेस्सर को लिया और उसे अपने हाथ में एक ओजार बनाया। और जब राजा नबूकदनेस्सर मर गया, उसके पश्चात... घास उग आई; उसके बाल सिंह की नाई, या उकाब के पंखों के समान; और उसकी उंगलियों के नाखून उकाब के पंजों के समान, और आदि–आदि। और परमेश्वर ने उसे समझा दिया कि वास्तविक राजा कौन था।

43 उसकी मृत्यू के पश्चात बनते है, बेल्तशेजर, उसका पोता उसके स्थान पर आया। और तब वह राजा नबूकदनेस्सर से अधिक दृष्ट था। और एक रात्रि उनका एक बड़ा भोज था। उन्होंने अपने—अपने सारे अधिपति और शासक बुलाए उस महान मिलन में। और जब उनका, यह बड़ा जमघट चल रहा था, और वे... गए और पुकारा, और बर्तनों को लिया, परमेश्वर के पवित्र बर्तन ले आए; केवल परमेश्वर का उपहास उड़ाने के लिए, और अपने देवताओं के लिए मदिरा पान किया, एक शुभकामनाओं का नाम प्रभु के बर्तनों में से।

44 अब, एक मनुष्य को दूर तक यात्रा करने की अनुमति दी जाती है, परंतु जीवन और मृत्यू के मध्य में एक विभाजन रेखा होती है। आप उसे कभी पार ना करें। समझे? आप कुछ समय तक अपनी मूर्खता में चल सकते हैं, परंतु आपके लिए भला है कि आप जाने कि रेखा कहां पर है। क्या प्रभु ने आपको कहीं किसी बात पर रोका? वह करता है, हम सबके साथ करता है खेचता और कहता है, "बस इतना बहुत है।" तो फिर अच्छा है कि देखें आप क्या कर रहे है, यदि आप उसे रेखा के पार जा रहे है।

45 और उस रात्रि, जब प्रभु ने उसकी लगाम खींची और वह नहीं सुनता, आगे बढ़ता जाता है। और यहोवा के बर्तनों को ले आता है और दाखमधु पीने लगा, और अपने देवताओं के लिए शुभकामना का जाम। तब स्वर्ग से एक हाथ आया, और दीवार पर लिखा, "**मने मने तकेल उपहर्सीन**।" जिसका अर्थ, "तू तराजू में तौला गया और हल्का निकला।" कोई भी नहीं बता सका। यह एक अन्य भाषा थी।

46 और वहां एक मनुष्य था जिसके पास अनुवाद का वरदान था, डेनियल इसलिए उसने आकर अनुवाद किया और राजा को बताया कि क्या घटित होगा। और, वहां, परमेश्वर ने राष्ट्र को नष्ट कर दिया, वह बाबुल राष्ट्र।

47 जबकि डेनियल वहां पर था अपने महान दर्शन देखें, और उनके विषय में लिखा, इस महान स्वाटन के लिए जो आज हमारे पास है, जान रहा था, और अन्य जाति के राज्य को इस क्रम में रख रहा था।

48 ध्यान दे कितना सिद्ध। अब इसके समीप आए। पहले उसने एक मूरत को मैदान में खड़े देखा जब उसने राजा के स्वप्न का अर्थ बताया।

49 वह एक आत्मिक पुरुष था। उसने स्वप्न देखे दर्शन देखे, स्वप्नों का अर्थ बताया। परमेश्वर उसके संग था, और सब कोई भी यह जानता था।

50 और जब उसने दर्शन देखा, सोने का सिर, और यहां चांदी का सीना, और पीतल की जांघे, और लोहे के पैर, ध्यान दें, प्रत्येक राज्य थोड़ा कठोर था। राजा नबूकदनेस्सर का राज्य सोने का सिर था। उसने इसका अर्थ बताया, और उसने ठीक–ठीक बताया कि किस प्रकार से एक राज्य के बाद दूसरा अंत की ओर उदय होगा। तब ध्यान दें सोने से, सबसे अधिक नरम, अगला चांदी, फिर अगला पीतल, अगला लोहा; कठोर अधिक कठोर, आगे की ओर अधिक ठंडा!

51 तब ध्यान दें, इस सब के मध्य में, डेनियल ने एक मूरत देखी जब तक कि एक पत्थर पहाड़ से बिना खोदे, जो कि बिना हाथों के कांटे निकला। वह उस बड़ी मूरत पर आकर लगा और उसे तोड़ दिया और उसे गर्मियों के गेहूं निकालने के भूसे के समान कर दिया, और हवा उसे उड़ा कर ले गयी। "और पत्थर बड़े पहाड़ में बदल गया जिसने समस्त पृथ्वी और समुन्द्र को ढांप लिया।" यह प्रभु का आगमन है यीशु का, जो की अब होने को है।

52 वह आगे बढ़ता है। जब एक दिन वह नदी के किनारे पर था, वह बेहोशी में चला गया और दर्शन देखा। बहुत से जो उस उसके साथ थे उन्होंने दर्शन नही देखा, क्योंकि यह केवल डेनियल को दिया गया था। आप समझे यह?

53 कोई ठीक आपके पास खड़ा हो सकता है और उन वस्तुओं को देख सकता है जो आप नहीं देख सकते कि अपना जीवन बचा सके। यह ठीक बात है। किसी ने कहा, "मैं इस बात का विश्वास नहीं करता। मैंने कभी भी कुछ नहीं देखा।" क्योंकि यह आपके देखने के लिए नहीं था।

54 वे जो पौलुस के साथ गए जब पौलुस अपने घोड़े पर से नीचे गिर पड़ा उसे मिट्टी में ही गिरना; और लोटना था जैसे कि वह धूल में था; किसी ने भी वह आवाज नहीं सुनी या वह दर्शन देखा। पौलुस ने देखा।

55 किसी ने भी वह सितारा नहीं देखा जो कि... हर वेधशाला पर से होकर निकला, केवल बुद्धिमान मनुष्यो ने।

56 बहुत सी चीजें, इस प्रकार की है, जो परमेश्वर ने विशेष लोगो के देखने के लिए रखी है, और दूसरे नहीं देख सकते। ओह, मुझे यह अच्छा लगता है! जब परमेश्वर अपनी असीमित बुद्धी में, होकर ठहरा देता है, या पहले से अभिषिक्त कर देता है, कि कोई विशेष बात घटेगी यह आप से अगले बैठे हुए व्यक्ति पर हो सकता है, और आप इस विषय में कुछ नहीं जानेंगे।

57 दोतान में देखिए, जब एलीशा दोतान में था और वे विदेशियों से घिरे हुए थे जो भीतर आ गए थे विदेशियों से—से, सीरिया की फौज एलिय्याह को खोज रही थी, वह भविष्यवक्ता। क्योंकि जब उन्होंने देखा, हर बार सीरियायी इस्राएल पर चढ़ आते थे, कि युद्ध करें, तो इस्त्राईली उनके लिए क्यों कर घात लगाते है।

58 और इसलिए सीरिया के राजा ने उन्हें बुलाया, और कहा, "अब, एक मिनट रुको। कौन हमारी ओर है और कौन इस्राएल की ओर है? " कहा कि, "मेरे झुंड में कोई जासूस है, जो इस्राएल को बताता है कि हम कहां से आ रहे है, क्योंकि वे सदा वही हमारी प्रतीक्षा देख रहे होते है।"

59 और एक मनुष्य के पास थोड़ी सी आत्मिकता उसके विषय में थी। उसने कहा, "नही, मेरे पिता। परंतु यह एक एलिय्याह भविष्यवक्ता है, क्योंकि वह जानता है, अपने शयन कक्ष में कि तुम्हारी अगली चाल क्या होगी।" आमीन।

60 ओह, जब परमाणु शक्तियां हिलने लगती है, मैं इतना प्रसन्न होता हूं कि परमेश्वर का वचन हमें बताता है कि कहां जाना है। चट्टान के पास भाग जाओ, मसीह यीशु! हर मनुष्य बचाव और सुरक्षा में है। आपको कोई चीज हानी नहीं पहुंचा सकती। कोई परमाणु कोई कोबल्ट कुछ नहीं परमेश्वर के सुरक्षितो को नहीं छू सकता है; बचे हुए, सुरक्षित लंगर लगे हुए। क्या ही शानदार आशा है कि हम मसीह यीशु में है!

61 ध्यान दे, उसके साथ एक पुरुष था। उसका दास, आत्मिक लड़का साथ चला और भविष्यवक्ता के हाथ पर पानी डालता था, उसका एक महान पद था। परंतु जब उसने उस—उस सीरिया की सेना को दोतान के चारो ओर देखा चारो ओर से घिरे हुए, "मेरे पिता, उधर देख! कितनी बड़ी संख्या में! क्यों, हम घिरे हुए है!"

62 अब यह स्वाभाविक है, जब सब कुछ गलत घटित होता हुआ दिखाई पड़ता है; उनकी उंगलियां आप पर उठ रही है *यह* या *वह* कह रही है; और डॉक्टर कहता है कि आप चंगे नहीं हो सकते और आदि–आदि। यह स्वाभाविक बात है आपके सोचने के लिए, "ओह, प्रभु, यह, अंत है!"

63 परंतु एलिय्याह ने कहा, "हमारी ओर जो है वह जो उनकी ओर है उससे अधिक है।"

64 अब आप कल्पना कर सकते हैं कि उस भविष्यवक्ता याने गेहजी को कैसा लगा, सेवक को। उसने उसकी ओर देखा। उसने कहा, "क्यों, मैं किसी को नहीं देखता।"

उसने कहा, "परमेश्वर इस लड़के की आंखें खोल दें।"

65 और जैसे ही परमेश्वर ने कुछ किया! तो यह रहा। समझे, जब परमेश्वर ने उसकी आत्मिक आंख खोली चारों ओर से भविष्यवक्ता चारों ओर से अग्निमय रथो और अग्निमय स्वर्ग दूतों से घिरा हुआ था। क्यों, उसने देखा... क्यों, रथो को अग्निमय अनगिनत, सीरिया की सेना हजारों में। पहाड़ आग से भरा था; अग्निमय स्वर्गदूत, अग्निमय घोड़े, अग्निमय रथ।

66 और बाईबल ने कहा, "परमेश्वर के दूत उसके डरवय्यो के चारों ओर छावनी डाले रहते है।"

67 वैसे ही आज रात्रि भी! मुझे आश्चर्य है कि क्या होगा होगा यदि एक मनुष्य, यहां आज रात्रि, उसके पास सामर्थ हो कि आपकी आंखों को दिखाता, और कहता, "आराधनालय के चारों ओर खड़े होकर देखो, आज रात्रि!" आप अपने सारे जीवन भर यहां पर सदस्य रहेंगे। निश्चय ही। जी हां, श्रीमान।

68 कभी आप इसे अपनी स्वाभाविक आंखो से नहीं देख सकते, परन्तु आप इसके आवेग का अनुभव कर सकते हैं, कुछ समीप है। एक छठवी इंद्रीय जो घोषित करती है कि कुछ आसपास है।

69 उस पर ध्यान दें इस प्रात: बहरे कानों को खोलना, पोलियो के अपहिजो को चारों ओर चलता फिरता कर देना, जैसे कि उनके साथ कुछ भी गड़बड़ नहीं थी। यह क्या है? यह इंद्रीय में है। मेरा अर्थ इंद्रीय छठवी इंद्रीय जो कि विवेक है, आत्मा, कि कुछ आसपास है। परमेश्वर में विश्वास रखें!

70 अब, वे उन्होंने इसे पहले नहीं देखा। परंतु, संभवत: एलिय्याह ने इसे नहीं देखा, परंतु उसने लड़के की आंख खोलने के लिए कहा कि इसे देखें। परंतु एलीशा चेतन था कि वे वहां थे। आमीन।

एक बार, थोमा ने, कहा, "मुझे अपना हाथ उसकी पसलियों में डालने दो।"

71 यीशु ने कहा, "अब तुम देखते और विश्वास करते हो। उनका ईनाम क्या ही महान होगा जिन्होंने कभी नहीं देखा और फिर भी विश्वास किया।" ये हम हैं आज रात्रि कि जो भी विश्वास करेगा, बिना देखे।

72 अब ध्यान दे और एलीशा वहां चला गया जहां यह सब कुछ था और उसने उनसे कहा... पहले वह वहां गया, और बाईबल ने कहा, "उसने उन्हें अंधा कर दिया।" अंधा; और सीधा उनके पास पहुंच गया। हर एक के पास अच्छी दृष्टी थी, जहां तक मैं जानता हूं। परंतु पवित्र वचन ने कहा, "वे अंधे थे।"

73 एक साधारण व्यक्ति ने मुझसे कुछ रात्रियों पहले कहा, "यदि आप परमेश्वर के जन है तो मुझे अंधा कर दो।"

मैंने कहा, "आप पहले ही अंधे है।" समझे? समझे? पहले ही अंधे है!

74 ध्यान दें। और वह वहां बाहर निकल गया, और जहां यह महान वातावरण था, यह बड़ी बात थी। और उसने कहा, "क्या तुम एलिय्याह को खोज रहे हो? "

कहां, "हां।"

75 कहा, "मेरे पीछे आओ। मैं सीधा, तुम्हें उसके पास पहुंचा दूंगा।" एलिय्याह ने उनसे कहा। वे किस विषय में अंधे थे? वे इस सत्य के लिए अंधे थे कि वह परमेश्वर का भविष्यवक्ता था। वे इसके लिए अंधे थे। और उसने उन्हें फिर सीधा आक्रमण के स्थान पर पहुंचा दिया। कहा, "आओ, मैं तुम्हें एलिय्याह दिखाऊंगा, " और यह एलिय्याह उन्हें वहां ले जा रहा था।

76 और जब उन्होंने चारो ओर देखा, और पाया कि वे चारों ओर से घिरे हुए थे। राजा ने कहा, "मेरा पिता, क्या मैं उन्हें मार लूं? "

77 उसने कहा, "क्या तू कैदियों को लेकर और उन्हें मार डालता है? " कहा, "उन्हें कुछ खाने को दे, और उन्हें उनके देश वापस भेज दे।"

78 युद्ध तय करने की ये विधी है। क्या यह ठीक नहीं है? निश्चय ही। ओह, प्रभु! यदि हम आज सिद्धान्त को अपना ले कि अपने शत्रु को खिलाये। "उनके साथ भलाई करें जो तुम्हारे साथ बुराई करते है।" आमीन।

79 वहां, अब, अंधापन है।

80 अब, एलिय्याह, या मेंरा अर्थ, एलिय्याह नहीं अब, परंतु डेनियल: डेनियल ने पहले से देखा, वह एक भविष्यवक्ता था; उसने प्रभु के आगमन को देखा, उसने अंत समय को आते देखा; उसने अन्यजातियों का आरम्भ देखा।

81 और यदि आप ध्यान दें, अन्य जाति एक—एक मूर्ती पूजा से आरम्भ हुए। वे मैदान में रखी हुई बड़ी सी मूरत की पूजा कर रहे थे, एक मनुष्य की मूरत: मैं विश्वास करता हूं, स्वयं डेनियल की। क्योंकि, राजा नबूकदनेस्सर ने उसे "बेल्तशेजर," कह कर पुकारा था। जो कि उसका ईश्वर था, और उसने एक धर्मी पवित्र पुरुष की मूरत की पूजा करना आरंभ कर दी थी। और डेनियल ने यह करने को मना कर दिया था, ऐसे ही इब्रानी लडको ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो।

82 और जिस प्रकार से यह जारी किया गया। और यह दोषी ठहराया गया था; सोने का सिर मूर्तिपूजा से प्रकाशित किया गया, इसके लिए जबरदस्ती की गयी, और एक अलौकिक हस्त लेख, आलौकिक भाषा के द्वारा, जो कि केवल दिव्य समझ ही समझ सकती थी उससे अन्त इसका हुआ। आमीन।

83 इस प्रकार से अन्य जाति के राज्य का प्रकाशन हुआ, और यह इसी प्रकार से चला जाएगा, यह ठीक बात है, आलौकिक कार्यों के द्वारा, आलौकिक अनुवाद के द्वारा। आप जानते हैं कि मैं किस विषय में बात कर रहा हूं। दिव्य कार्य हो रहा है, ओह, कितना भव्य! क्या आज रात्रि आप आनंदित नहीं है, आप अलौकिकता में विश्वास नहीं करते हैं? हां।

84 अब इन दर्शनों के पश्चात, उसने उसे दर्शाया कि राष्ट्र कहाँ पर खड़े हो रहे होगे। उसने उसे दर्शाया कि यहूदियों पर और कितने वर्ष अभी रहते

है। उसने कहा, "मसीह आएगा। वह सत्तर सप्ताहों की भविष्यवाणी करेगा, जो कि साढ़े तीन वर्ष है। और उसके मध्य में, वह काटा जाएगा, जो कि सात वर्ष है। तेरे लोगों के लिए सत्तर सप्ताह ठहराए गए है; भविष्यवाणी के सात वर्ष यहूदियों को।" उसने कहा, "और मसीह, राजकुमार आएगा, और भविष्यवाणी करेगा, सात सप्ताहो के मध्य में, सात दिनों, क्या वह काटा जाएगा। घृणित वस्तु जो उजाड़ देती है, अपने स्थान पर खड़ी होगी। और वे यरूशलेम की दीवारों को रोदेगे, अन्यजाति, एक समय तक, समय और समय का विभाजन।"

85 अब जब मसीह आता है, यीशु ने ठीक साढ़े तीन वर्ष प्रचार किया, और बलिदान के लिए काटा गया। प्रतिदिन की बाध्यता हटा दी गई थी। और उजाड़ने वाली, वह घृणित वस्तु जो उजाड़ देती है, ओमार का मुसलमान, आज उसी पवित्र मंदिर के स्थान में खड़ा है। ओमर की मस्जिद ठीक मंदिर के स्थान पर खड़ी है।

86 और उसने कहा, कि, "वे यरूशलेम की दीवारो को रोदेगे, यरूशलेम में, जब तक अन्यजातियो को समय पूरा ना हो जाए। परंतु, अन्यजातियो के अंत में, अब भी साढ़े तीन वर्ष बचेंगे, यहूदियों के लिए।"

87 अब ध्यान दें, भविष्यवाणी वाले इतिहास की एक चौका देने वाली बात।

88 मैं बाईबल की भविष्यवाणियो को जानता हूं यह दावा नहीं कर रहा हूं। परंतु यह अखबार पढ़ने के समान है; अधिक स्पष्ट। और, हम यहां जो पढ़ते है, हम जानते हैं यह सत्य है।

89 ध्यान दें, दो हजार, जी हां, ढाई हज़ार वर्षों से, यहूदी स्वर्ग के नीचे हर राष्ट्र में बिखरे हुए थे। जैसे कि परमेश्वर ने फिरौन का ह्रदय कठोर कर दिया था उन्हें वापस लाया; उसने हिटलर का ह्रदय, मसलोनी का ह्रदय कठोर कर दिया और आदि–आदि, जब तक की वह उन्हें वापस फिलिस्तीन में नहीं ले आया। वापस आते हुए, उन्होंने उसे फिर एक राष्ट्र बना दिया। और मई छह, 1947 में, यहूदियों का झंडा इस्राएल में चढ़ाया गया, ढाई हजार वर्षों में पहली बार। संसार का सबसे पुराना झंडा ढाई हज़ार वर्षों बाद फिर फहराया गया। और उसने कहा, अन्त के दिनों में, "वह यरूशलेम में एक झंडा खड़ा करेगा," यह दर्शाएगा की समय समीप है।

90 अब ध्यान दें, अधिक समय नहीं हुआ, मैंने एक भविष्यवाणी संबंधित एक चलचित्र देखा था। जो वहां से था और वे उन यहूदियों को ला रहे थे,

हवाई जहाज से हजारों हजार। आपने अखबार देखा होगा, और आदि–आदि। *लुक* एंड *लाइफ* पत्रिका ने इसे लिखा है। हजारों यहूदी वापस आ रहे है! और उन्होंने उनसे पूछा, "तुम लोग किसलिए वापस आ रहे हो? " बूढ़े, अपाहिज लोगों को अपनी पीठ पर लादे हुए उनके बालक थे। कहा, "क्या तुम अपने देश में मरने के लिए आ रहे हो? "

कहां, "नहीं। हम मसीह को देखने के लिए वापस आ रहे है।"

91 यीशु ने कहा, "जब तुम अंजीर की कोपले निकलते देखो, और बाकी वृक्ष अपनी कोपले निकाल रहे हो, जान लो कि समय निकट है या वसंत ऋतु पास ही है। इसलिए, जब तुम इन बातों को होते हुए देखो तब अपने सिरों को उठाना, तुम्हारा छुटकारा समीप आ रहा है।"

92 आज रात्रि, जैसे की यह संसार साम्यवाद के द्वारा छलनी हो गया है! ओह, मैं एक मनुष्य से बातें कर रहा था... एक अच्छा अधिकारी, मैं विश्वास करता हूं, जो की मैं जानता हूं। और जब उसने इस देश के संबंध में बातें की और साम्यवाद के तो यहाँ आपके घुटनों को कंपा देगा, कि कैसे यह छलनी हो गया है। अब कुछ भी ठोस नहीं है यहां तक की हमारे राष्ट्र में भी, कठिनता से।

93 केवल एक ही ठोस चीज जो मैं जानता हूं खड़ी रहेगी, वह वो चट्टान, यीशु मसीह। हमें एक राज्य मिला है जो हिलाया नहीं जा सकता। और आज के दिन जब हर चीज नीचे को गिर रही है, हमारे पास ठोस नीव है, प्रभु यीशु मसीह। मित्रों, इसमें आ जाओ। यह तूफान के समय छिपने का स्थान है। क्या ही शानदार बात है!

उसने देखा यह सब घटित होने जा रहा है।

94 अब हम यहूदियों को देखते हैं। बाईबल ने कहा यरूशलेम, यह गुलाब के समान खिलेगा। और उन्होंने उसकी सिंचाई कैसे की है! और वे भी... भविष्यवक्ता बोला और कहा, "उस दिन," वो, "पानी उत्तर दिशा से आएगा।" तब वहां पर पानी नहीं था, कोई सोता नहीं था। परंतु अंत के कुछ वर्षों में, एक बाढ आएगी, और घाटी में पानी ही पानी होगा। और उनकी सिचाई संसार की खेती बड़ी में महान है, संसार में उसका आकार।

95 और सारे यह रसायन मृत सागर में। उसकी तलहटी में पर्याप्त रसायन है कि संसार का सारा धन उसे खरीद नहीं सकेगा; रसायन, यूरेनियम, और सब कुछ मृत सागर के तलहटी में जो की अब इस्राएल का है।

96 "अंजीर का वृक्ष अपनी कोपले निकाल रहा है।" केवल वही नहीं, परंतु दूसरे वृक्ष भी अपने कोपले निकाल रहे है। साम्यवाद अपनी कोपले निकाल रहा है। मसीह विरोधी अपनी कोपले निकाल रहा है।

97 और चर्च ऑफ़ गॉड अपनी कोपले निकाल रहा है। वह अपनी सामर्थ में फिर से आ रहा है। गाजाम नाम टिड्डी ने एक भाग खा लिया, हासिल ने एक भाग खा लिया, येलेक ने एक भाग खा लिया, अर्बे ने एक भाग खा लिया, परंतु परमेश्वर ने कहा, "यह फिर जीयेगा।" वह अपनी कोपले निकाल रहा है।

98 पेड़ अपनी कोपले निकाल रहे हैं। डेनियल ने इसे पहले ही देखा, और आनंद किया। अब, उसने कहा, "और उस समय... " 12 वां अध्याय।

> *उसी समय मिकाएल नाम बड़ा प्रधान, जो तेरे जाति भाइयों का पक्ष करने को खड़ा रहता है वह उठेगा: तब ऐसे संकट का समय होगा, जैसा किसी जाति के... उत्पन्न होने के समय से... लेकर अब तक कभी नहीं हुआ होगा; परंतु उस समय तेरे लोगों में से जितनो के नाम परमेश्वर की पुस्तक में लिखे हुए है वे बच निकलेंगे।*

99 ओह, प्रभु! क्या आप आनंदित नहीं कि आपके नाम उसकी पुस्तक में है? जब वह, डेनियल, यहां उसे देखा, "प्राचीन दिनो का आया, जिसके बाल ऊन के समान श्वेत थे। और उसने पुस्तके खोली। और उनका न्याय किया गया, पुस्तको में से हर मनुष्य का, " न्याय का महान श्वेत सिंहासन।

100 अब, डेनियल को यह आश्वासन दिया गया और अन्य जातियों के समय के अंत में। पढ़िए... जब आप घर जाए, और कल 11वा अध्याय पढ़े। आप देख सकते हैं कि किस प्रकार से उत्तर का राजा आता है, जो कि कुछ और नही रूस है इस पर दबाव डालने के लिए आता है, चक्रवात के समान। और वह महान युद्ध अरर्मेगिदोन का येरूशलेम के फाटकों के पास लड़ा जाएगा। ध्यान दें। ओह, मुझे यह पसन्द है!

> *... और उस समय तेरे लोगों में से, जितनो के नाम परमेश्वर की पुस्तक में लिखे हुए हैं, वे बच निकलेंगे,* मेमने की जीवन की पुस्तक में।

101 "मिकाएल, महान राजकुमार, वह उठेगा" (क्या?) "तेरे लोगो के लिए।" ठीक है।

और जो भूमि के नीचे सोय रहेंगे उनमें से बहुत से लोग जाग उठेंगे (कब?) जब यह समय आएगा और कुछ सदा के जीवन के लिए, *और कितने अपनी नामधराई के लिए सदा* के तिरस्कार के लिए।

102 और जैसे अनंत जीवन निश्चित है, वैसे ही अनंत अलगाव है। यह इस पर निर्भर करता है कि आप अपने जीवन में यीशु मसीह के साथ कैसा बर्ताव करते हैं। यदि आप उससे प्रेम करते हैं, और नया जीवन पाया है, और उसका आत्मा पाया है आपको अनंत जीवन मिला है। यदि आपके पास नहीं है, आपके पास अनंत जीवन नहीं है। यदि आपका नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ है, आपके पास सदा का जीवन है। यदि ये वहां लिखा हुआ नहीं है, तो आप मान्य नहीं होंगे।

103 यह क्या है? ये सारी भविष्यवाणियां पूरी हो गई है; हर बात इस समय।

104 सोने का सिर जा चुका है जैसा कि डेनियल ने कहा, यह होगा बाबुल का राज्य।

105 उसके पश्चात, उसने कहा मैदो और पारस होंगे। वे बाबुल के राज्य के पश्चात आए।

106 और वे गिर गये (कौन?), यूनानी, सिकंदर महान।

107 और वे गिर गए (किसके सन्मुख?) रोम। और रोमी सारे संसार में टूट गए, पूर्वी और पश्चिमी रोम, दो टांगे।

108 और उसने कहा लोहा और मिट्टी पंजों में थे, दस उंगलियां दस राज्य, और उसने कहा वे मिलेंगे नहीं और वे लोग आपस में विवाह करेंगे, रोमवाद और प्रोटेस्टेंटवाद।

109 "और उस दिन," जब यह चीजें होती है, "तब एक पत्थर पहाड़ में से, बिना हाथ के काटा गया, और लुढकाया गया और उस वस्तू को टुकड़े–टुकड़े कर दिया।" और इससे मूरत का स्थान ले लिया।

110 इसलिए मेरे भाइयों, आज रात्रि हम कष्टों में है। "युद्ध, और अफवाहे युद्धों की; भूचाल जगह–जगह पर समय की घबराहट, और राष्ट्रों में दुःख।" मैं अभी–अभी विदेश से आया हूं, और मैंने एक भी राष्ट्र नहीं देखा परंतु उनके पैर कांप रहे थे। वे नहीं जानते कि आगे क्या होने जा रहा है।

111 क्या आज रात्रि हम धन्यवादित नहीं है, कि हम जानते है कि अगला क्या होने जा रहा है! प्रभु यीशु मसीह दूसरी बार आएगा अपनी महिमा और प्रभुत्व में! और प्रत्येक पुरुष और स्त्री जो भी मेमने के जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ पाया जाएगा, अपने प्रियजनों के संग, प्रभु से हवा में मिलने के लिए जी उठेगा। ओह, क्या ही शानदार बात है! इसी कारण हम कहते है:

हमारी आशा और कहीं नही है
यीशु के लहू को छोड़ धार्मिकता के साथ;
चारों ओर मेरा प्राण स्वागत करता है,
वही हमारी सारी आशा और पड़ाव है।

112 "और उस समय मिकाएल खड़ा होगा, वह महान राजकुमार।" मिकाएल वास्तव में मसीह है, जिसने स्वर्ग में स्वर्ग दूतो का युद्ध शैतान के साथ लड़ा। सैतान और मिकाएल मिलकर लडे, याने बल्कि एक दूसरे के विरुद्ध लडे।

113 और, अब, "और उस समय," उसने कहा, "जितने पुस्तक में लिखे हुए पाए गए छुड़ाएं गए। और वे जिन्होंने धर्म के कार्य किए है... " इस पर ध्यान दें।

तब सिखाने वालों कि—कि चमक आकाश मंडल की सी होंगी; और... जो बहुतों को धर्मी बनाते हैं वे सर्वदा तारों की नाई प्रकाशमान रहेंगे...

114 कभी इसे देखिए, और भाइयों मैं सोचता हूं। मैं प्रातः उठा। मुझे जल्दी उठना अच्छा लगता है। क्या आप जल्दी उठना पसंद नहीं करते?

115 मुझे स्मरण है जब मैं और भाई लोग पहाड़ों में थे। सुबह तड़के लगभग चार बजे, हम उठ जाते। देखिए, पीछे देखते, और वहां भोर का तारा होता। पौ फटने से पहले बहुत ही अंधकार होता है।

116 हम देखते है अब अंधकार एकत्र हो रहा है। यह क्या है? एक ज्योति यह अंधकार के विरुद्ध में है। एक को तो हटना है।

117 सारी रंगने वाली चीजें जो सारी रात विचरती रही, जब सूर्य ऊपर चढ़ा, जब प्रकाश चमकता है वे छिप जाते हैं। रात्रि और अंधकार... रात्रि

और ज्योति एक भवन में नहीं रह सकते थे। या तो अंधकार, या ये ज्योति है। और ज्योति अंधकार से इतनी अधिक सामर्थी होती है।

118 इसी प्रकार से मसीह भी संसार के समस्त शत्रुओं से अधिक सामर्थी है।

119 अब, वैज्ञानिको के द्वारा हमने सीखा है; जैसे ही ज्योति आना आरंभ होती है, यह अंधकार को घना कर देता हैं। और अंधकार अपने सारे मेहमानों को एकत्र करता है, कि ज्योति से लड़े, परंतु ज्योति प्रबल होती है और आती है।

120 और बाईबल ने कहा, कि, "अंतिम दिनों में शैतान गरजने वाले सिंह के समान घूमेगा।" वह एकत्र कर रहा है, सारे शत्रुओं, और अपने सारे मित्रों को, हमारे शत्रुओं को, और उन्हें एकत्र कर रहा है; और एक बड़ी अध्यक्षता में एकत्र कर रहा है, पुरोहितवाद के क्षेत्र में पशु की छाप, कलीसियाओ का संघ। सारे मिल रहे हैं और स्वयं को एक महान संस्था बना रहे हैं, वैसे ही जैसे कैथोलिकवाद।

121 और संसार के राजअधिकार एक साथ एकत्र हो रहे है, और एक बड़ी अध्यक्षता बना रहे हैं, राजनीतिक क्षेत्रों में, जो कि साम्यवाद कहलाता है।

122 और परमेश्वर की ज्योति बढ़ रही है। इसी समय में क्या हो रहा है, कि इसे बनाए: मसीही कलीसिया, परमेश्वर की जीवित कलिसिया अभिषिक्त हो रही है; उसके पास सामर्थ आ रही है, वह पवित्र आत्मा को ले रही है।

123 बीते वर्ष पूर्ण सुसमाचार के क्षेत्र में, दस लाख पच्चास हजार लोगों का मत परिवर्तन हुआ। महानतम ने राष्ट्र को प्रभावित किया, वर्ष दर वर्ष। अब हम गलियारे में नहीं है। हम हाल्लेलुय्या के बड़े मार्ग पर है। अब हम और अधिक छाया में नहीं है। दस लाख पच्चास हजार मत परिवर्तन पूर्ण सुसमाचार के क्षेत्र में, बीते वर्ष, कैथोलिकवाद पर सफलता पाई और आदि–आदि। ओह, प्रभु!

124 यह क्या है? उजियाला एकत्र हो रहा है। महान चंगाई सभाए पृथ्वी पर छा गई है। हाल्लेलुय्या! वहां नीचे फारमूसा में चंगाई अभियान चल रहे हैं। जापान में वहां चंगाई सभाये चल रही है। उत्तर के ठंड से जमे क्षेत्र में चंगाई सभाये चल रही है। समस्त संसार में, चंगाई सभाये! हाल्लेलुय्या! हर स्थान में पुरुष पवित्र आत्मा पा रहे है। हम अंत समय में है।

125 यह क्या कर रहा है? तब शैतान कहता है, "अब मेरा समय है।" वह अपनी सामर्थे एकत्र कर रहा है। कलीसियाओं के संग इसे रोकने का

यन्त कर रहे हैं, कह रहे है, "ये और कुछ नहीं शोर मचाने वाले डब्बो का झुण्ड है। इन्हें कुछ नहीं होता। यह सब धर्मान्धता है। ऐसा कुछ नहीं है जो अलौकिकता में कार्य कर रहा हो।"

126 और इसी समय में अमेरीकन अध्यक्ष... चिकित्सक के संघ ने एक पत्र लिखा है, और कहा, "किसी मनुष्य को अधिकार नहीं कि बीमार के कमरे में आकर, सेवा करें जो सर्वशक्तिमान परमेश्वर में विश्वास नहीं करते और उसे अपना सहायक स्वीकार करते है।" *द क्रिश्चन हेरोल्ड,* ने पिछले महीने डॉक्टरो का साक्षात्कार लिया, एक लेख दिया जो मैं स्वयं नहीं लिख सका, यदि मैं इस पर घमण्ड करने का प्रयत्न कर रहा था। यह क्या है? इन सब बातों के मध्य में परमेश्वर ने अपने ही शत्रुओ के द्वारा अपनी महिमा की गवाही दिलवाई। जी हां, श्रीमान। डॉक्टर ने कहा, "हम तो केवल सहायक कर सकते हैं, परंतु परमेश्वर चंगा करने वाला है।"

मैंने कहा, "वे महान पुरुष थे देख रहे हैं कि हमारा झुंड सादगी में हर समय यह जानता है।" कि यह ठीक बात है।

127 इन्हीं किन्ही शानदार दिनों में आप पायेगे कि यह सामर्थी झुंड जो वैश्याओं को महिला में बदलता है, और पियक्कडो को सज्जन पुरषों में और मसीहो में, यह वही सामर्थ है जो इन्हें इस पृथ्वी पर से उठा लेगी और उठाएं लिए जाने में इन्हें घर ले जाएगी, महिमा में। अधिक देर हो सकती है; बहुत से लोगों के लिए समय निकल गया होगा।

128 "उस दिन मिकाएल लोगों के लिए खड़ा होगा।" वह राष्ट्रों के लिए खड़ा नहीं होगा। वह लोगों के लिए खड़ा है। "और बहुत से जो मिट्टी में सोए हुए हैं, उनमें से कुछ सदा की लज्जा के लिए जी उठेंगे और तिरस्कार के लिए। परंतु वे जो बुद्धिमान है बहुतो को धर्मी बनाते हैं, सितारों के समान सदा चमकेगे।" हाल्लेलुय्या!

एक तंबू या एक झोपड़ी, मैं क्यों चिंता करूं?
मेरे लिए वहां पर महल बने हुए है! (किसी दिन मुझसे
मिलने आना!)

129 यह क्या है? मैं बाहर गया और उस महान भोर के तारे को देखा, जैसे कि वह सामने की ओर जा रहा था। भोर का तारा क्या कहता है? भोर का तारा केवल आने वाले सर्वोच्च सूर्य की ज्योति को परिवर्तित करता है। क्या यह ठीक बात है? भोर का तारा, कारण कि वह इतना चमकता है (आप

जानते हैं यह क्यों ऐसा है?), सूर्य इसके बहुत समीप है। यह दबाव डालता है। भोर का तारा सूर्य के आने का स्वागत करता है।

130 ठीक है। आप जो भोर का तारा यह समय है कि उसके आने का अभिवादन करें! भोर के तारे चमक रहे है! तड़के उठे! यह कहता है, "कि पुत्र जल्द ही यहां पर होगा!"

131 जब भोर के तारे को हम देखते है, जैसे कि यह आकाश में चमकता है, इसका अर्थ यह है कि जल्द ही सूर्य चमकेगा।

132 और जब हम परमेश्वर के भोर के तारों को देखते है, उठ रहे हैं और यीशु मसीह के पुनरुत्थान की महिमा के लिए चमक रहे है, दर्शाता है कि सर्वोच्च वाला आगे बढ़ रहा है। उजियाला एकत्र हो रहा है, परंतु भोर का तारा शोर मचाता है, "रुके रहो! अधिक देर नहीं है कि दिन का उजियाला चमके।" रुके रहो! दिन के उजियाले के लिए और अधिक समय नहीं रह गया। बस थामे रहो। जैसा कि बहन मर्फी और वे गाया करते थे, "रुके रहो दिन का उजियाला जल्द ही आ रहा है।" रुके रहो! जब तक वे भोर के तारे अब संसार में चमक रहे है, संसार को ज्योतिमय कर रहे है, उस महान अंधकार से थोड़ा पहले, और स्वर्ग से वह महान गर्जना, प्रभु का आगमन।

अब ध्यान से सुने। अब उसने कहा...

133 मैंने बोर के तारे को देखा है, और मैंने सोचा, "ओह, भोर के तारे!" मैंने देखा...

134 एक दिन मैं और भाई वुड वहां पर खड़े थे। और उन्होंने आग जलाना आरंभ की और हम नाश्ता लेने जा रहे थे। और मैंने घूम कर भोर के तारे को देखा। उन जैतून की झाड़ियों में चला गया; और चीड़ के पेड़ों में हवा शोर कर रही थी। मैं वहां खड़ा हुआ। अच्छा लगा, भोर की ताजी हवा में सांस ली; और यह एक प्रकार की धुंध बहुत धुंध थी। नीचे पानी की धार की ओर गया कि एक बाल्टी पानी लू, जमा हुआ इसके पहले कि आप उठे।

135 वहां खड़े हुए आपने हाथ उठा रहा था, वहां उन चीजों के मध्य में। मैंने भोर के तारे को देखा। मैंने सोचा, "ओह, वहां देखा पैतालीस वर्षों ने मेरे लिए क्या किया।" मैंने कहा, "यहां देखो मेरे झुर्रियां पड़ रही है। मेरे हाथों में झुर्रियां पड़ रही है; बाल कम हो रहे है; दांत जा रहे हैं। ओह, पैतालीस

वर्षों ने मेरे लिए क्या किया है! परंतु," मैंने कहा, "वहां सामने देखो, वह भोर का तारा उतना ही सुंदर और चमकदार है जैसा कि परमेश्वर ने उस दिन, 'व्यू,' अपने हाथों से जन्माया और कहा, 'यह चमके!'"

136 और तब मैंने इस पवित्र वचन के विषय में सोचा। मैंने कहा, "परंतु परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है यदि हम बुद्धिमान होगे और बहुतों को धर्मी बनाएंगे, हम सितारों के समान सदा चमकेंगे।"

137 मैंने सोचा, "भोर के तारे तुम अब चमक रहे हो, परंतु प्रतीक्षा कर जब तक हम वहां ना पहुंचे! हाल्लेलुय्या! 'सदा के चमकने वाले सितारे होंगे!'"

138 और मैं सुन सकता हूं कि हवा पहाड़ों से नीचे आ रही है, अब दिन निकलने पर है, उन चीड़ के पेड़ों के मध्य में फुसफुसा रही है:

एक देश उस नदी के पार है,
जिसे हम सदा प्यारा कह कर पुकारते हैं,
और हम वहां केवल उस किनारे पर विश्वास के स्तर
के द्वारा पहुंच सकते है;
एक के बाद दूसरा प्रवेश द्वार पाते है,
वहां अमरणहार के संग जीने को,
जब वे तुम्हारे और मेरे लिए सोने की घंटियां बजाएंगे।

139 क्या ही महान बात है! "जो बुद्धिमान होगे वे बहुतों को धर्मी बना देंगे, और वे सितारों के समान सदा–सदा के लिए चमकेंगे।"

140 इसलिए जो भी है क्या अंतर पड़ता है? यह छोटा सा पुल यहां किसलिए है? यह पुरानी भूमी की मिट्टी बिना रीढ़ के कीड़े, यह छोटी मरनहार देह जिसे सड़ना और मिट्टी में वापस जाना है, और खाल के कीड़े इसे खा जाएंगे! ओह, प्रभु! मुझे जो कुछ मुझ में है उसके संग उठने दो और परमेश्वर की महिमा के लिए चमकने दो! हर बोझ को एक ओर डाल दो, ताकि पवित्र आत्मा अपनी सामर्थ और महिमा हम में डाल सके, इस सुसमाचार के प्रचार के द्वारा और बीमारों की चंगाई के द्वारा, ताकि यीशु मसीह को मरे हुओ में से जी उठा हुआ प्रमाणित करें। ओह, प्रभु!

... सदा और सदा के लिए।

परंतु हे,... डेनियल, तू इस पुस्तक पर मोहर करके इन वचनों को अंत समय तक के लिए बंद रख: और बहुत लोग पूछपाछ और ढूढ़ ढांढ करेंगे और इससे ज्ञान भी बढ़ *जाएगा।*

यह सब सुन, मुझ डेनियल ने दृष्टी करके क्या देखा कि दो पुरुष खड़े है, एक तो नदी के इस तीर पर, और *एक तो दुसरे... नदी के उस तीर पर:*

तब एक पुरुष जो सन का वस्त्र पहने हुए (पवित्र आत्मा), *नदी के जल के ऊपर था* (लोग और भीड़)...

141 पवित्र आत्मा लोगों के ऊपर! ओह! हाल्लेलुय्या! पवित्र आत्मा!

142 प्रकाशितवाक्य:15, :16, कहता है कि लोगों की भीड़... *पानी* का अर्थ होता है "बहुतायत और लोगों की भीड़।"

143 और यहां एक श्वेत सन स्वयं को जल पर ऊपर नीचे, अपने हाथों को स्वर्ग की ओर उठाए हुए, अपनी ही शपथ खाकर जो सदा–सदा के लिए जीवित है, 'जब यह घटना घटी, तब समय और नहीं है!'" हाल्लेलुय्या!

144 "अब समय और नहीं है!" शपथ खाई, जब हमने देखा कि ये देखा कि ये राष्ट्र टूट रहे हैं, और इस प्रकार की चीजें हो रही है, "परमेश्वर का भेद पहले ही पूरा हो गया है।"

145 यह क्या है, "परमेश्वर का भेद"? "परमेश्वर आप में, महिमा की आशा," चमक रही है, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा!

146 जब यह बातें घटित हुई, "तब उसने कहा, अब तो देर ना होगी।"

147 "वे जो अपने परमेश्वर को जानते है," डेनियल ने कहा। "इन अन्त के दिनों में बहुत से पूछपाछ, और ढूंढ ढांढ करेंगे इस से ज्ञान बढ़ जाएगा। परंतु वे जो अपने परमेश्वर को जानते हैं वे अंत के दिनों में लाभ उठाएंगे।"

148 "वे लाभ उठाएंगे।" ओह, टूटते हुए विश्वास का शोषण करना, आज रात्रि संसार में चारों ओर, बार–बार। सारे राष्ट्रों में, महान अभियान! अंधे देख रहे हैं। बहरे सुन रहे हैं। लंगड़े चल रहे हैं। जीवन के हर क्षेत्र से लोग भीतर आ रहे हैं। वे पवित्र आत्मा पा रहे है; केवल निर्धन और कंगाल ही नहीं, परंतु लाखोंपति और सब। परमेश्वर ले रहा है और अपने वस्त्र प्रत्येक को पहना रहा है, और उन्हें विवाह के भोज के लिए निमंत्रण दे रहा है।

149 और वह महान महायाजक मलिकिसिदक, किसी दिन आएगा। और हम परमेश्वर के राज्य में फिर से प्रभु भोज की लेंगे, इन्हीं किन्ही महान महिमा भरे दिनों में! ओह, मैं आज रात्रि बहुत ही आनंदित हूं, कि उस राज्य

में हूं! जी हां, श्रीमान। किसी महान दिन किसी शानदार दिन में, "अब तो देर ना होगी!"

150 देखिए, हम अनंतता में से निकल कर आए हैं। हम संसार के होने से पहले वहां पर थे। क्या आपको यह मालूम है? परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप में उत्पन्न किया।

151 उसने अय्यूब से कहा, "तू कहां था," जब अय्यूब ने सोचा कि वह बुद्धिमान है। कहा, "जब मैंने पृथ्वी की नेव रखी तब तू कहां था, इसके पहले में रखता, जब परमेश्वर के पुत्रों ने एक संग मिल कर आया और भोर के तारे आनंद से चिल्लाते थे? "

152 "भोर के तारे आनंद से चिल्लाये।" वे चमकने वाले आनंद से चिल्लाये, जब उन्होंने देखा कि किसी दिन वे यहां पृथ्वी पर डेरे में थे। और राजा, मलिकिसिदक परमेश्वर की धार्मिकता में आयेगा, और हमें छुड़ाकर परमेश्वर को, फिर वापस करने में अपना जीवन देता है, और अब चमकने वाले सितारे सदा और सदा के लिए।

153 "जब मैंने पृथ्वी की नींव रखी तब तू कहां था? बता वे तब कहां पर थे। मुझे बता वे कहां स्थिर थे।" कहा, "अपनी कमर बांध। मैं तुझ से मनुष्य के समान बातें करना चाहता हूं।" अय्यूब मरे हुए के समान मुंह के बल औंधा गिर गया। वह इसके सामने खड़ा ना रह सका। परमेश्वर वहां पर था। आप भी वही है। "आप कहां थे जब मैंने पृथ्वी की नींव रखी? "

154 यह महिमामय सुसमाचार पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं के द्वारा भविष्यवाणी में किया गया था। यह कालों से होकर निकला। आज रात्रि यह यहां पर है। यह परमेश्वर द्वारा समर्थन प्राप्त है। यह संसार पर छा गया। उन्होंने इसे बाहर रखने का यत्न किया है।

155 तेज हवा के दिन आग लगाने का यत्न करें और—और जंगल में एक सूखी लकड़ी। क्यों, आप क्यों नहीं कर सकते। जितना अधिक आप संघर्ष करेंगे, आप इसे उतनी ही हवा देंगे; अधिक हवा आप इसे देंगे, यह कठिनाई से जलेगी। केवल यही बातें है।

156 हमारे पास पहाड़ों में थोड़ी सी, आग हुआ करती थी, जब मैं इस सुबह–सुबह जलाने का यत्न किया करता था। मैं बाहर जाकर उस पर कुछ लकड़ियां डालता; धूआं देने लगती। मैं निश्चय जानता हूं कि थोड़ा

धुआं है, तो कहीं आग भी है। मुझे केवल यही करना था कि अपनी टोपी लेकर उसे पंखा करता रहूं, और अंततः वह जल जाती।

157 आज कलीसिया को भी इसी बात की आवश्यकता है कि दूसरी बार पंखा किया जाए उस आंधी भरी सनसनाहट की हवा जैसे पेंटीकोस्ट पर थी, कि विश्वास के विश्वास में फिर से हवा आ जाए, कि प्रभु यीशु मसीह को उसके महिमामय दूसरे आगमन पर स्वीकार करें।

158 चिन्हों, आश्चर्यकर्मो भेद भरी बातें घटित हो रही है। "जगह–जगह भूचाल आ रहे हैं; ऊंची–ऊंची लहरे किनारों को तोड़ रही है," जैसा कि यीशु ने कहा यह होगा, "मनुष्य के ह्रदय; भय से बैठ रहे है।"

159 भय, "ओह, कौन पहले कोबाल्ट बम फेंकने जा रहा है? क्या घटित होगा? कुछ ही घंटों में सारा संसार भस्म हो जाएगा।" क्यों हम तो परमेश्वर की उपस्थिति में होंगे, इसके पहले यह जहाज से गिरे। यह ठीक बात है। यह क्या होगा? यह कुछ नहीं होगा, परंतु हम...

मांस का यह पुराना वस्त्र गिर जाएगा हम गिरा देंगे, और
उठेंगे
और सदा के पुरुस्कार को लेते है,
और हवा में से, निकलते हुए चिल्लाते है,
"अलविदा, अलविदा, प्रार्थना की मीठी घडियां!"

160 यह समाप्त हो जाएगा, और हम घर जाएंगे। उस पुराने शरीर को नीचे छोड़ते है; और सामने ताज और वस्त्र से बदल लेते हैं, जो कि कभी भी धूमिल नहीं होगा। बुढे पुरुष और महिलाओं से बदलकर, युवा लोग, चमकते हुए सदा–सदा तक जीवित रहे; और अमरणहारता की महिमा की सड़क पर प्रभु यीशु की उपस्थिती में ऊपर नीचे चले। गाए, "ऊंचे पर उसकी महिमा! उसने हमारे मध्य में बड़े–बड़े कार्य किए है।"

161 आज जब परमेश्वर की सामर्थ के साथ हम इस यात्रा में है हर कार्य हर चीज में समर्थन पा रहे है, हम चारों ओर देखें कि हम कहां पर हैं। अंजीर के पेड़ को देखे कि अपनी कोपले निकाल रहा है। दूसरे वृक्षों को देखें अपनी कोपले निकाल रहे है। राष्ट्रों की ओर देखें अपनी कोपले निकाल रहे है। पवित्र आत्मा की कलीसिया को देखे कोपले निकाल रही है। पेंटीकोस्ट दोहराया जा रहा है, वहीं चिन्ह वापस आ रहा है और आश्चर्यकर्म। हाल्लेलुय्या!

हम प्रार्थना करें।

162 स्वर्गीय पिता, आज रात्रि यीशु मसीह के पुनरुत्थान की सामर्थ के लिए हम तेरा धन्यवाद करते हैं, उसकी महान सर्वोच्चता के लिए, उसके पवित्र आत्मा के अभिषेक के लिए। हम तेरा धन्यवाद करते हैं कि वह यहां पर है, एक जीवित, सदा जीवित रहने वाला, हमारे अंगीकार पर हमारी बिचवाई करता है। हम उसकी चंगा करने की सामर्थ के लिए तेरा धन्यवाद करते है, जिसने हमें जलन से खेच लिया था, प्रभु हमें कब्र में से निकाला, और हमें उठाया और हमारी सामर्थ को नया किया और हमें सामर्थ दी, ताकि हम आगे बढ़कर अंधियारे में चमके। इसके लिए हम तेरा धन्यवाद करते है।

163 पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि आप जो बचे हुए नहीं है उनमें से प्रत्येक को आशीषित करेंगे। जो बचे हुए है सबको आशीषित करे। इसे प्रदान करें पिता सारे बीमारों को चंगा करें; और महिमा मिले। इस छोटे आराधनालय को आशीषित करे। लोगो को आशीषित करे। पास्टर भाई नेविल को आशीषित करे। सारे डिकनो को आशीषित करें, ट्रस्टियो को। इसे प्रदान करें, प्रभु। अपना चंगाई का हाथ इन पर रखें। और यदि शैतान अंदर आता है थोडे भेदभाव उत्पन्न करता है, तो उसे चंगा करें, प्रभु, जल्द ही गिलाद के बाम से। प्रभु, इसे ग्रहण करें। इन पर अभिषेक का तेल उड़ेले। इन्हें नम्र ह्दय और प्राणों में मीठा बनाएं। और ये प्रभु यीशु के पद चिन्हों पर चले। भौतिक चीजें इनमें हुई है, और ये बीमार हो गए, परमेश्वर का स्वर्ग दूत पास में खड़ा हो, कि यीशु का लहू लगाए। इसे प्रदान करें। सारी बीमारियों को चंगा करें।

164 प्रभु, मेरी सहायता करें जैसे कि मैं बाहर कार्य क्षेत्रों में, इन महान आवश्यकताओं को देखता हूं। आज कितनी आवश्यकता है! लाखों मर गए। अब आज एक लाख चौवालिस हजार मूर्तीपूजक मर गए, बिना यीशु को जाने। प्रिय परमेश्वर, मेरी सहायता करें। हम सबको साथ–साथ आशीषित करें।

165 हम सबको साथ–साथ आशीषित करें और किसी दिन, प्रभु, हमें इस पृथ्वी पर से वहां उठा प्रभु कि आपके साथ आपके सिंहासन पर बैठे, वहां स्वर्गीय स्थानों में मसीह यीशु में। इसे प्रदान करें, पिता। होने पाए उस समय तक स्वास्थ और सामर्थ हमारी हो, क्योंकि यीशु के नाम में मांगते है। आमीन।

ओह, मैं उसे देखना चाहता हूं, मैं उसके मुख को देखना
चाहता हूं,
और उसके बचाने का अनुग्रह को सदा के लिए गाता
रहूं;
उस महिमा की सड़कों पर मुझे आवाज उठाने दो;
सारी चिंताएं बीत गई, अंत में घर सदा का आनंद।

जैसा कि मैं इस राष्ट्र में से होकर निकल रहा हूं, जैसे
कि जाता हूं गा रहा हूं,
प्राण कलवरी के लाल की ओर संकेत कर रहे है,
बहुत सारे तीर मेरे प्राण के बाहर भीतर घुस गए है;
परंतु मेरा प्रभु उसमें होकर मेरी अगुवाई करता, कि
मुझे जीतना है।

ओह, मैं उसे देखना चाहता हूं, उसके चेहरे पर,
वहां सदा के लिए गाऊं उसकी बचाने वाली अनुग्रह
को;
उस महिमा की सड़कों पर मुझे आवाज उठाने दो;
सारी चिंताएं मिट गई है, अंत में घर पर सदा आनंद।

166 अब एक क्षण जरा सुने। यहां कितने मैथोडिस्ट है? अपने हाथ उठाएं। मैथोडिस्ट? कितने बैपटिस्ट यहां है? अपने हाथ उठाए। कितने प्रेसपिटेरियन है? अपने हाथ उठाएं। कितने नाज़रीन है? अपने हाथ उठाए। कितने पेंटीकोस्टल है? अपने हाथ उठाएं। कितने लूथरन है? अपने हाथ उठाएं। अच्छा, हम सब यहां पर है। देखिए, एक महान झुंड, मिलाजुला, सारे एक स्थान में बैठे हुए हैं, स्वर्गीय स्थान में, आशीष में आनंद कर रहे हैं।

167 अब मैं चाहता हूं मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट से हाथ मिलाए, और बैपटिस्ट लूथरन के साथ। घूम कर एक दूसरे से हाथ मिलाए, और इधर घूम कर अब जैसे कि हम ये गाते है।

प्राण कलवरी के लाल धार पर संकेत करते है,
बहुत से तीर मेरे प्राण में, भीतर बाहर घुस गए;
परंतु मेरा प्रभु मुझे अगुवाई करके ले चलता है, उसके
द्वारा मैं जीतुंगा।

ओह, मैं उसे देखना चाहता हूं, उसके चेहरे को देखना
चाहता हूं,
उसके बचाने वाले अनुग्रह को सदा–सदा गाता रहूं;
उस महिमा की सड़कों पर मुझे मेरी आवाज उठाने दो;
चिंताएं चली गई, अंत के घर सदा आनंद के लिए।

168 क्या इससे आपको अच्छा अनुभव नहीं होता? क्या आपको अपने सबका सा अनुभव नहीं हो रहा... ? यहां कितने मसीही है? अपने हाथ उठाएं। हर कोई जो प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करता है, अपने हाथ उठाए। ओह, प्रभु! क्या ही शानदार बातें!

169 अब जैसे कि हम अलग होते है, जैसे कि हम अलग–अलग घरों पर जाते हैं, हम प्रार्थना के साथ जाए। अब आइए अपने पुराने अच्छे विसर्जन वाले गीत को गाए। कितने यह जानते हैं? *यीशु का अपने साथ ले।* अब सब एक साथ, आइए गाते हैं।

यीशु का नाम अपने साथ लो,
दु:ख और शोक का बालक;
यह तुम्हे आनंद और शांति देता है,
इसे ले, जहां कहीं आप जाए।

कीमती नाम, (कीमती नाम!) ओह कितना मीठा!
(ओह कितना मीठा!)
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
(हां, कीमती नाम!) ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद।

सुनिए:

यीशु के नाम में झुकते हैं,
उसके चरणों पर दंडवत करते हैं,
राजाओं का राजा स्वर्ग में हम उसे ताज पहनाएगे,
ओह, जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती।

कीमती नाम, ओह कितना मीठा! (ओह कितना
मीठा!)
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;

कीमती नाम, ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद।

170 ये है वह जो मैं आपसे करवाना चाहता हूं।

यीशु का नाम अपने साथ ले,
हर शत्रु के लिए ढाल के समान;
जब आपके चारों ओर परीक्षाएं आए,
तब प्रार्थना में इस पवित्र नाम को ले।

कीमती नाम, (कीमती नाम!) ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
कीमती नाम, (कीमती नाम!) ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद।

अन्यजाति के प्रबंध का आदि और अंत HIN55-0109E

(Beginning And Ending Of The Gentile Dispensation)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 9 जनवरी, 1955 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविल, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org